जब पूरी दुनिया में अनिश्चितता और

आयुष कालेजों के 891 छात्र निलंबित

फर्जी दाखिले : पूर्व मंत्री धर्म सिंह संदेह के घेरे में, सीबीआइ जांच से बढ़ेंगी मुश्किलें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : आयुष कालेजों में हुए फर्जी प्रवेश के मामले में एक और बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रकरण की सीबीआइ जांच की सिफारिश किए जाने के बाद आयुष कालेजों में पिछले शैक्षिक सत्र-2021 में फर्जी ढंग से प्रवेश पाने वाले 891 छात्रों को निलंबित कर दिया गया है। बीते दिनों गड़बड़ी उजागर होने पर इन छात्रों को चिन्हित कर कालेजों को उनकी सूची भेजी गई थी, जिन्हें कालेजों ने नोटिस जारी कर निलंबित कर दिया है। निलंबन नोटिस की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद सभी छात्रों के दाखिले रद किए जाएंगे।

प्रकरण में तत्कालीन आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा धर्म सिंह सैनी की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। सैनी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा छोड़ सपा में चले गए थे। सपा से सहारनपुर की नकुड़ सीट से चुनाव लड़े लेकिन जीत नहीं सके। सूत्रों का कहना है कि प्रकरण में निलंबित कार्यवाहक निदेशक, आयुर्वेद सेवाएं, प्रो डा एसएन सिंह व प्रभारी अधिकारी शिक्षा निदेशालय, आयुर्वेद सेवाएं डा उमाकांत यादव पूर्व मंत्री सैनी के करीबी रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि सीबीआइ जांच शुरू होने पर सैनी की भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

सीबीआइ जल्द मामले की जांच अपने हाथ में ले सकती है। हालांकि इससे पूर्व सीबीआइ मामले में दर्ज कराई गई एफआइआर का परीक्षण करेगी। उल्लेखनीय है कि लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली में धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में एफआइआर दर्ज कराई गई थी। शासन के निर्देश पर एसटीएफ ने तत्काल मामले की जांच शुरू की थी। एसटीएफ एजेंसी व उसके वेंडर से जुड़े लोगों की छानबीन कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मामले की जांच सीबीआइ से कराने का निर्देश दिया था। सीबीआइ जांच शुरू होने पर बड़ों की भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। वहीं बुधवार को आयुर्वेद निदेशालय में सील किए गए दस्तावेजों के साथ-साथ काउंसिलिंग के कार्य से जुड़े अन्य दस्तावेजों को भी खंगाला जाएगा। कुछ दस्तावेज गायब भी किए गए हैं, जिन्हें लेकर कर्मचारियों से पूछताछ होगी।

- निलंबन नोटिस की प्रक्रिया पूरी होते ही रद होंगे छात्रों के प्रवेश
- सैनी के करीबी रहे हैं डा. एसएन सिंह और डा. उमाकांत

पूर्व मंत्री धर्म सिंह सैनी • जागरण

> आयुष कालेजों के 891 छात्रों को निलंबित कर दिया गया है। इन छात्रों ने गलत ढंग से प्रवेश पाया है। इनके दाखिले निरस्त होंगे। कहीं किसी तरह की गड़बड़ी न हो और सही छात्र परेशान न किया जाए। इसका पूरा ख्याल रखते हुए गलत दाखिला पाने वाले छात्रों की सूची कालेजों को भेजी गई है। मेरिट लिस्ट व कालेज के अभिलेखों का ढंग से सत्यापन कर दाखिले रद करने व रिपोर्ट शासन को भेजने का निर्देश दिया गया है। गलत ढंग से प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी भी दोषी हैं।
>
> दयाशंकर मिश्रा दयालु, आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

अपट्रान के कामों की भी होगी जांच

नीट-यूजी 2021 की मेरिट में छेड़छाड़ करने वाली अपट्रान पावरट्रानिक्स और उसकी वेंडर कंपनी वी थ्री साफ्ट साल्यूशन को दाखिले की काउंसलिंग के साथ-साथ और कौन-कौन से काम दिए गए थे, इसकी जांच कराए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

डाटा उड़ाकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास

आशीष त्रिवेदी • लखनऊ

आयुष कालेजों में दाखिले की मेरिट लिस्ट में गड़बड़ी कर 891 फर्जी छात्रों को दाखिला दिलाने वाले फोरेबाज इतने बेखौफ थे कि उन्होंने जांच में भी खेल कर साक्ष्य मिटाने की कोशिश की। आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर मिश्र दयालु को जब मामला पता चला तो उन्होंने जांच के आदेश दिए। अधिकारियों ने दोषी कंपनी से ही जानबूझकर जांच शुरू करा दी। कंपनी ने मौका पाकर मुख्य कंप्यूटर जिसमें मेरिट लिस्ट व काउंसलिंग का डाटा था, उसकी हार्ड डिस्क ही खराब (करप्ट) कर दी। हालांकि डाटा रिकवर कर लिया गया है।

आयुष मंत्री कहते हैं कि आयुर्वेद विभाग के अफसरों ने लापरवाही की। उन्होंने पिछले शैक्षिक सत्र नीट-यूजी 2021 में आयुष कालेजों में दाखिले की काउंसलिंग का काम करने वाली और गड़बड़ी की दोषी कंपनी अपट्रान पावरट्रानिक्स व उसकी वेंडर कंपनी वी थ्री साफ्ट साल्यूशन से ही जांच कराना शुरू कर दिया। जो कंपनी खुद दोषी हो और जांच उसे ही मिल जाए तो वह इस मौके को कैसे छोड़ सकती है। उन्होंने हार्ड डिस्क खराब कर दी। विशेषज्ञों की मदद ली गई और हार्ड डिस्क खराब कर साक्ष्य मिटाने की कोशिश का पता चला तो शिकंजा कस दिया गया। सीबीआइ जांच में सबकुछ सामने आ जाएगा।

टेरर फंडिंग में कानपुर से दो हिरासत में

राज्य ब्यूरो, कानपुर : प्रतिबंधित संगठन पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआइ) के सक्रिय सदस्यों की तलाश में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने मंगलवार को कानपुर के कई क्षेत्रों में छापेमारी की। जांच एजेंसी बाबूपुरवा के बैंकस कंपाउंड से दो लोगों को हिरासत में लेकर गई है। एनआइए की महाराष्ट्र से पांच लोगों की तलाश है, जिन पर टेरर फंडिंग में शामिल होने का आरोप है। अनवरगंज पुलिस ने भी आरोपितों के परिवार के लोगों से पूछताछ की।

पापुलर फ्रंट आफ इंडिया को आर्थिक मदद और संगठन को मजबूत करने वालों की तलाश में

- एनआइए को पीएफआइ का समर्थन करने वाले पांच सदस्यों की थी तलाश
- बाबूपुरवा में बेकिंस कंपाउंड से दो युवकों को उठाकर ले गई टीम

एनआइए की तीन सदस्यीय टीम अनवरगंज थाना क्षेत्र के बाबू पुरवा स्थित बेकिंस कंपाउंड पहुंची। टीम शाहिल और जावेद नाम के दो युवकों को हिरासत में लेकर चली गई। एनआइए की टीम ने इसके अलावा तीन अन्य लोगों की तलाश में चमनगंज, बाबूपुरवा और जाजमऊ क्षेत्रों में भी छापेमारी की।

जांच एजेंसी के लोग डिप्टी पड़ाव स्थित पीएफआइ के पुराने कार्यालय भी गईं। संगठन को प्रतिबंधित किए जाने से काफी पहले से यह कार्यालय बंद चल रहा है और लंबे समय से यहां कोई गतिविधि देखने को नहीं मिली है। हालांकि, नागरिकता संशोधन कानून को लेकर हुए बवाल और फिर तीन जून को राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री की शहर में मौजूदगी के चलते हुए उपद्रव में इस कार्यालय की बड़ी भूमिका बताई गई थी।

वैश्विक जलवायु प...

शर्म अल-शेख (मिस्र), रायटर : अंतरराष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (काप-27) में मंगलवार को ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए कड़ी कार्रवाई करने पर बल दिया गया। ग्लोबल वार्मिंग के लिए गरीब देशों ने धनी राष्ट्रों और तेल कंपनियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि प्रदूषकों को जलवायु परिवर्तन के लिए उन्हें हर्जाना देना होगा यानी भुगतान करना होगा। साथ ही उन्होंने ग्लोबल कार्बन टैक्स लगाने की भी मांग की।

उन्होंने कहा कि एक तरफ तेल कंपनियां और अमीर देश मुनाफा कमा रहे हैं, वहीं छोटे द्वीपकर द्वीप

शर्म अल-शेख

राष्ट्रों की ... जा रही है। ... से उनकी ... पहुंच रहे ...

सप्तरंग

• पेज 12

ज्यादा प्रसंस्करण सेक्टर को